न्यूज डायरी

कोरोना वैक्सीन के चूहे पर दिखे अच्छे रिजल्ट, अब इंसानों पर होगा टेस्ट?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका कोरोना वायरस से बुरी तरह से पस्त है तो दूसरी तरफ उसके वैज्ञानिक दिनरात कोरोना का तोड़ ढूंढने में लगे हुए हैं। अब कोविड19 से जुड़ा एक वैक्सीन बनाया गया है जिसका प्रयोग फिलहाल चूहे पर किया गया है। इस प्रयोग के दौरान देखा गया है कि एक स्तर पर आकर यह नए कोरोना वायरस के खिलाफ एक इम्युनिटी तैयार कर लेता है जो कि कोरोना के संक्रमण से बचा सकता है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने गुरुवार को बताया कि जब इसका प्रयोग चूहे पर प्रयोग किया गया तो इस प्रोटोटाइप वैक्सीन ने दो सप्ताह के भीतर ऐंटीबॉडीज तैयार कर ली। इस वैक्सीन का नाम फिलहाल पिटकोवैक रखा गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ता हालांकि यह भी कहते हैं कि जानवरों पर लंबे समय तक नजर नहीं रखी जा सकी है तो यह कहना जल्दबाजी होगी कि कब तक उनमें इम्युनिटी बनी रहेगी।

नाइजर में हुई हिंसा में चार सैनिक शहीद, 63 'आतंकवादी' मारे गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नियामे। पश्चिमी नाइजर में सेना और "हथियारों से लैस" लोगों के बीच हुए संघर्ष में चार नाइजीरियाई सैनिक शहीद हो गए जबकि 63 "आतंकवादी" मारे गए। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। नाइजीरिया के रक्षा मंत्रालय ने सरकारी टेलीविजन चौनल पर एक बयान में कहा कि माली के साथ लगने वाली सीमा के पास तिलाबेरी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को "भीषण झड़प" के बाद आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल सैनिकों ने हमलावरों को "खदेड़ दिया" और कई मोटरसाइकिलें और हथियार बरामद किए। तिलाबेरी क्षेत्र माली और बुर्किना फासो दोनों की सीमाओं से करीब है। जिहादियों के हमलों को रोकने के मकसद से वहां मोटरसाइकिलों का प्रयोग जनवरी में प्रतिबंधित कर दिया गया था। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी और दिसंबर में इलाके में हुए तीन हमलों में 174 सैनिक शहीद हुए। दो हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट संगठन ने ली थी।

अब अच्छा महसूस कर रहे हैं बोरिस, लेकिन आइसोलेशन में ही रहेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने शुक्रवार को कहा कि वह अब अच्छा महसूस कर रहे हैं लेकिन जब तक पूरी तरह से कोरोना के लक्षण दिखने खत्म नहीं होते वह आइसोलेशन में ही रहेंगे। उन्होंने साथ ही देशवासियों से अपील की है कि वे लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें क्योंकि वे घर में रह कर कई जिंदगियां बचा रहे हैं। जॉनसन कोविड19 पॉजिटिव पाए गए हैं और एक सप्ताह से डाउनिंग स्ट्रीट में अपने घर से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने ट्विटर पर विडियो मेसेज जारी कर अपने हेल्थ की जानकारी दी है। जॉनसन ने कहा, श्मेरे केस में, मैं भले ही अब अच्छा महसूस कर रहा है और मैं सात दिन आइसोलेशन में रह चुका हूं, लेकिन मुझे हल्का लक्षण दिख रहा है। बुखार है। सरकार के सुझाव के अनुसार, मैं अपना सेल्फ आइसोलेशन जारी रखूंगा जब तक लक्षण पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता।

यूरोप में खाली हो रहे ओल्ड एज होम साथियों को जाता देख रुक नहीं रहे आंसू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। यूरोपीय देशों में कोरोना का सबसे बड़ा कहर ओल्ड एज होम पर पड़ा है। इटली, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन के वृद्धाश्रमों में रहने वाले आधे से ज्यादा बुजुर्ग इस समय हॉस्पिटल में ऐडिमट हैं। परिवार द्वारा निकाल दिए जाने के बाद वे इन ओल्ड ऐज होम में बची–खुची जिंदगी को जीने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कोरोना ने उन्हें अकाल मृत्यु की तरफ धकेल दिया। खाली हो रहे ओल्ड एज होम को देखकर वहां रह रहे अन्य लोग भावुक हो रहे हैं। दुनिया में कोरोना वायरस से 90 फीसदी से ज्यादा मौतें बुजुर्गों की हुई हैं। ब्रिटेन के लिवरपूल के एक केयर होम में मातम छाया हुआ है।

अमेरिका में 24 घंटे के भीतर करीब 1500 लोगों की मौत

एक दिन में दुनिया में सबसे ज्यादा मौतें

आफत

न्यूयॉर्क ने पार किया 9/11 हमले में हुई मौत का आंकड़ा

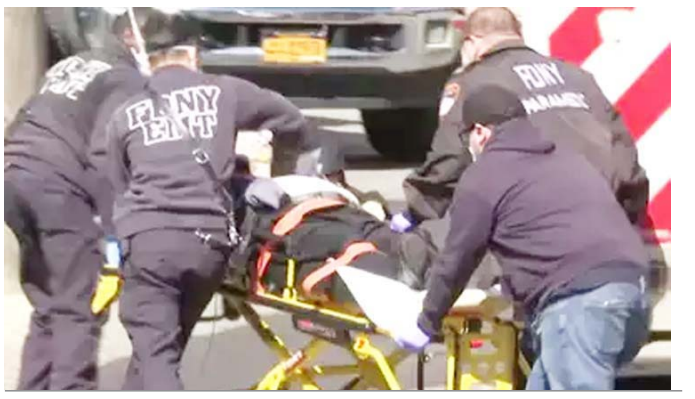

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस से शुक्रवार को 1,480 लोगों की मौत हो गई है और इस वायरस से किसी भी देश में एक दिन के भीतर मौत का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे एक दिन पहले अमेरिका में 1,169 लोगों की मौत हो गई थी। यूं तो अमेरिका पूरी दुनिया में एक महाशक्ति की तरह जाना जाता है, लेकिन कोविड–19 के आगे सुपरपावर अमेरिका भी बेबस दिख रहा है। क्या ये डोनाल्ड ट्रंप की नाकामी का नतीजा है? जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ट्रैकर के मुताबिक, गुरुवार रात 8.30 बजे से शुक्रवार रात 8.30 बजे के बीच 1,480 लोगों की मौत हो गई है। अब तक पूरे अमेरिका में मरने वालों की संख्या 7 हजार का आंकड़ा पार कर चुका है। सबसे अधिक मौतें न्यूयॉर्क में हुई हैं जहां 3 हजार से अधिक कोविड–19 मरीजों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

क्यों ट्रंप भी हैं संक्रमण फैलने के लिए जिम्मेदार?: इस वायरस की शुरुआत चीन से हुई, जिसका अमेरिका की सरहदों से दूर–दूर तक कोई नाता नहीं। चीन के करीबी देशों जैसे दक्षिण कोरिया, जपान, ईरान तक तो संक्रमण फैलना समझ आता है। इटली, फ्रांस, स्पेन में भी संक्रमण का फैलना उतना हैरान नहीं करता, लेकिन अमेरिका तक इस संक्रमण का पहुंचना और दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ना ट्रंप की नाकामी को दिखाता है। आलम ये है कि तमाम मामलों में नंबर–1 रहने वाला अमेरिका एक दिन में सबसे अधिक मौतों का रिकॉर्ड भी बना चुका है। कई दिन पहले ही अमेरिका सबसे अधिक संक्रमित लोगों वाला देश बनकर टॉप पर पहुंच गया है। अभी अमेरिका में करीब पौने तीन लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। जिस रफ्तार से अमेरिका में मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है, आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में अमेरिका सबसे अधिक मौतों वाला देश भी बन सकता है।

न्यूयहर्क में नर्सों का प्रदर्शन शुरू उधर, बेहतर गुणवत्ता वाले मेडिकल सप्लाई की कमी को लेकर मेडिकल स्टाफ प्रदर्शन पर उतर आए हैं। न्यूयॉर्क और कैलिफॉर्निया राज्य में जगह–जगह तख्ता और बैनर लिए नर्सों और अन्य हेल्थ स्टाफ का प्रदर्शन जारी है। उनकी मांग है कि सरकार उन्हें बेहतर उपकरण उपलब्ध कराए क्योंकि अगर इसके अभाव में उनकी जान चली गई तो फिर लोगों को बचाना मुश्किल हो जाएगा।

बिगड़े हालात, ट्रंप ने सेना की जिम्मेदारी बढ़ाई: अमेरिका में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पूरे देश में 276,500 लोग कोरोना की चपेट में हैं। अब स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सेना की जिम्मेदारी बढ़ा दी गई है।

मुस्लिम कट्टरपंथी नेता हामिद का कोरोना ज्ञान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया के माध्यम से भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले मुस्लिम कट्टरपंथी नेता जैद हामिद ने दावा किया है कि कोरोना वायरस एक 5जी षडयंत्र है और उसके जरिये अब लोगों के बेडरूम तक की जासूसी कराई जा रही है। बालाकोट स्ट्राइक और आर्टिकल 370 पर फैसले के बाद झूठी और मनगढ़ंत बातें फैलाने के कारण जैद का अकाउंट भारत में बैन कर दिया गया था।

पाकिस्तानी पत्रकार नायला इनायत ने जैद का ट्वीट शेयर किया है जिसमें वे ऐसे दावे कर रहे हैं जिसे पढ़कर दुनियाभर के जासूस और बड़े वैज्ञानिक भी सिर पकड़ लें।

जैद ने यहूदियों को निशाना बनाते हुए लिखा, श्हमने आपको बताया है कि इस महामारी का इस्तेमाल यहूदी मौजूदा दुनिया को तबाह कर विश्व का अलग क्रम (वर्ल्ड ऑर्डर) तैयार करने के लिए कर रहे हैं क्योंकि हमें पता है कि यह द्वितीय विश्व युद्ध से ही हो रहा है। हामिद ने लिखा, श्लेकिन इस वैश्विक खेल में 5जी नेटवर्क कहां खड़ा होता है? इस लॉकडाउन में भी 5जी टावर क्यों लगाए जा रहे हैं? जैद ने लिखा, सिस्टम को समझिए। उन्होंने महामारी को लेकर पैनिक क्रिएट किया। वैश्विक अर्थव्यवस्था तबाह कर दी।

हजारों नहीं कर पाए अपनों का अंतिम संस्कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन में पिछले दो सौ सालों से परंपरागत तरीके से टॉम्ब स्वीपिंग डे (कब्र की सफाई) मनाया जा रहा है। इस दिन लोग अपने पूर्वजों की कब्र पर पहुंचकर उसकी सफाई कराते हैं लेकिन इस साल नजारा कुछ और है। एक तरफ लोग अपने पूर्वजों की कब्र पर जा रहे हैं तो हजारों ऐसे भी हैं जिन्हें अपनों को दफनाने का भी मौका नहीं मिल पाया। हालांकि, चीन में इस साल टॉम्ब स्वीपिंग डे पर ज्यादातर जगह या तो प्रतिबंध लगा दिया गया है और कुछ जगह पहले से रिजर्वेशन कराने वाले लोगों को ही आने का मौका दिया जा रहा है।

दुनिया कोरोना से ज्यादा कट्टरपंथियों से परेशान है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बनेई ब्राक (इजरायल)। भारत और पाकिस्तान में कोरोना वायरस के खिलाफ मजबूती से खड़े स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिसकर्मियों के साथ तबलीगी जमात के कट्टरपंथी समर्थकों की बदसलूकी की घटनाएं सामने आ रही है। इनकी वजह भारत में कोरोना वायरस के मामले में तेजी आई है जिन्होंने नियमों का उल्लंघन कर न सिर्फ जमघट लगाया, बल्कि उनकी जांच कर रहे मेडिकल स्टाफ के साथ बदतमीजी भी की। दुनिया में ये अकेले कट्टरपंथी नहीं हैं जो कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं, इजरायल में भी अल्ट्रा–ऑर्थोडॉक्स समुदाय

जांच कर रहे मेडिकल स्टाफ के साथ बदतमीजी भी कर रहे है कट्टरपंथी

भी धार्मिक नेताओं की बात मानकर सरकारी गाइडलाइन की अवहेलना करते रहे हैं और नतीजा यह है कि उस समुदाय के आम से लेकर खास सभी कोरोना के चपेटे में हैं।

इजरायल का बनेई ब्राक इलाका कोरोना का केंद्र बन गया। यहां कट्टरपंथी धड़े ने दिशानिर्देशों को दरकिनार करते हुए दुकानें खोल रखी थीं जिससे निपटने में स्थानीय प्रशासन को ऐड़ी–चोटी का जोर लगाना पड़ा। अब सेना जल्द ही स्थानीय प्रशासन की मदद को सड़क पर उतरने वाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि 40 प्रतिशत आबादी पहले ही संक्रमित हो चुकी है।

दरअसल, यह दिक्कत इसलिए आ रही है कि क्योंकि अल्ट्रा–ऑर्थोडॉक्स समुदाय अपने धर्म गुरुओं की बातों का अंधा–अनुसरण कर रहे हैं। इजरायल का अल्ट्रा–ऑर्थोडॉक्स समुदाय भीड़भाड़ वाले पिछड़े इलाकों में रहता है जहां वायरस तेजी से फैला है। छोटी जगहों में एक साथ कई लोग जमा होते हैं और प्रार्थना में हिस्सा लेते हैं। हिब्रू यूनिवर्सिटी के प्रफेसर एच लेविने कहते हैं, मैं बेहद चिंतित हूं क्योंकि हमने अल्ट्रा–ऑर्थोडॉक्स कम्युनिटी में तेजी से संक्रमण फैलते देखा है और इजरायल की आबादी में भी।

चीन में मृतकों को दी गई मौन श्रद्धांजलि छलक उठे आंसू, झुका दिया गया झंडा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। चीन में मृतकों को दी गई मौन श्रद्धांजलि, छलक उठे आंसू, झुका दिया गया झंडाचीन शनिवार को उस समय कुछ देर के लिए थम–सा गया जब कोरोना वायरस के कारण मारे गए मरीजों और हेल्थ वर्कर्स की याद में राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में देश में तीन मिनट का मौन रखा गया। इस संक्रामक बीमारी से देश में 3,300 लोगों की मौत पर शनिवार को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया गया। इस दौरान देश का झंडा भी झुका दिया गया वुहान में इस राष्ट्रीय शोक के दौरान कई लोग उमड़े। यहां लोगों के चेहरे गमजदा और आंखों में आंसू थे। आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक, अकेले वुहान में ढाई हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। शी और चीन के अन्य नेताओं ने कोरोना वायरस शहीदों और मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए राष्ट्रीय शोक दिवस में भाग लिया। उन्होंने अपने सीने पर सफेद फूल लगाए हुए थे और राष्ट्रीय ध्वज के सामने कोविड–19 के मृतकों को श्रद्धांजलि दी जिसे आधुनिक चीन के इतिहास में सबसे खराब जनस्वास्थ्य आपदा माना जा रहा है। इस दौरान ध्वज को भी झुका दिया गया